



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 430]
No. 430]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 3, 1992/आषाढ़ 12, 1914
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 3, 1992/ASHADHA 12, 1914

इस भाग से निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संतिमंडल सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1992

कां०आ० 496(ख) :—गण्डवति, त्रिविधान के अनुच्छेद 77 के खण्ड
(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार (कार्य
आवंटन) नियम, 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सरकार (कार्य आवंटन)
(के सी सीआर) संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये छुट्टे प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में,

(1) प्रथम अनुसूची में—

(क) विद्यमान शीर्षक 21 के पश्चात् निम्नलिखित शीर्षक अंतः
स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“21क. अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय”,

(ख) विद्यमान शीर्षक 256 और उसके नीचे के उभ शीर्षक के स्थान
पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“26. विद्युत मंत्रालय”,

(ग) विद्यमान शीर्षक 28 के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक रखा
जाएगा, अर्थात् :—

28. ग्रामीण विकास मंत्रालय

(i) ग्रामीण विकास विभाग

(ii) ग्रामीण भूमि विकास विभाग”,

(2) द्वितीय अनुसूची में,—

(क) “परिवरण और वन संज्ञाव” शीर्षक के अधीन, विद्यमान
प्रतिष्ठ 15 और 16 का लोप किया जाएगा,

(ख) “खान मंत्रालय” शीर्षक और उसके नीचे की प्रविष्टियों के
पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी,
अर्थात् :—

“अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय

1. नवीय वीस का अनुसंधान और विकास तथा बायो गैस
युनिटों से संबंध कार्यक्रम।

2. अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत आयोग (सी०ए०एम०ई०)।

3. गौर ऊर्जा-प्रकाश बोल्टीय यंत्र, उसके विकास, उत्पादन
और अनु प्रयोगों सहित।

4. 3 मैगावाट और उसके कम क्षमता की लघु सूक्ष्म हाइड्रल
परियोजनाएं तथा भूतापीय ऊर्जा।

5. संयुक्त स्रोतों और उनके अनुसंधान तथा विकास से संबंधित कार्यक्रम।

6. भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण।

7. ऊर्जा के अन्य प्रपारंपरिक नवीकरणीय स्रोतों का अनुसंधान और विकास तथा उनसे संबंधित कार्यक्रम;

(ग) (i) "विद्युत और प्रपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय" शीर्षक के अन्तर्गत पर निम्नलिखित रखी जाएगी, अर्थात्:—
"विद्युत मंत्रालय";

(ii) इस प्रकार रखे गए शीर्षक के नीचे आने वाले "क. विद्युत विभाग" उपशीर्षक का शेष किया जाएगा;

(iii) इस प्रकार रखे गए शीर्षक के नीचे आने वाले "ख. प्रपारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग" उपशीर्षक और उसके नीचे की प्रविष्टियों का शेष किया जाएगा,

(घ) (i) "ग्रामीण विकास मंत्रालय" शीर्षक के अन्तर्गत उसके नीचे की प्रविष्टि 1 से पहले निम्नलिखित उपशीर्षक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"क. ग्रामीण विकास विभाग";

(ii) इस प्रकार अंतःस्थापित उपशीर्षक के नीचे प्रविष्टि 21 के पश्चात् निम्नलिखित उपशीर्षक और उसके संबंधित प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—
"ख. बंजर भूमि विकास विभाग"

1. राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड।

2. राष्ट्रीय भूमि उपयोग और बंजर भूमि विकास परिषद्।

3. बंजर भूमि विकास के माध्यम से ग्रामीण नियोजन का संवर्धन।

4. निजी बंजर भूमि सहित वन-क्षतर भूमि पर ईंधन लकड़ी, चारा और हमारली लकड़ी के उत्पादन का संवर्धन।

5. दीर्घकालीय तरीकों से बंजरभूमि की उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए समुचित कम लागत की प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और विकास।

6. कार्यक्रम-योजना और उसके कार्यान्वयन में अंतर-विभागीय और अंतरविषयक समन्वय तथा प्रशिक्षण सहित, बंजरभूमि विकास कार्यक्रम।

7. बंजरभूमि के विकास के लिए लोगों की भागीदारी और लोक सहकारिता तथा पंचायतों और अन्य स्थानीय और गैर-सरकारी अभिकरणों के प्रयासों का समन्वयन।"

(रामस्वामी बेंकटरामन)
राष्ट्रपति

[सं० 74/2/10/92-अंत्रि०]
संज्ञक मिश्र, संयुक्त सचिव

CABINET SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 1992

S.O. 496(E).—In exercise of the powers conferred by clause (3) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Government of India (Allocation of Business) (Two hundred and twentieth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961—

(1) in the First Schedule—

(a) after the existing heading 21, the following heading shall be inserted, namely:—

"21A. MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (APARAMPARIK OORJA SROTA MANTRALAYA)";

(b) for the existing heading 26 and the sub-headings thereunder, the following shall be substituted, namely:—

"26. MINISTRY OF POWER (VIDHYUT MANTRALAYA)";

(c) for the existing heading 28, the following heading shall be substituted, namely:—

"28. MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (GRAMIN VIKAS MANTRALAYA);

(i) DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT (GRAMIN VIKAS VIBHAG);

(ii) DEPARTMENT OF WASTELANDS DEVELOPMENT (BANJAR BHOOMI VIKAS VIBHAG)";

(2) in the Second Schedule,—

(a) under the heading "MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PARIVARAN AUR VAN MANTRALAYA)"; existing entries 15 and 16 shall be omitted;

(b) after the heading "MINISTRY OF MINES (KHAN MANTRALAYA)" and the entries thereunder, the following shall be inserted, namely:—

"MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (APARAMPARIK OORJA SROTA MANTRALAYA)

1. Research and development of bio-gas and programmes relating to bio-gas units.

2. Commission for Additional Sources of Energy (CASE).
 3. Solar Energy—including photovoltaic devices and their development, production and applications.
 4. Mini/micro hydel projects of and below 3 mw capacity and Geothermal energy.
 5. Programmes relating to improved chulhas and research and development thereof.
 6. Indian Renewable Energy Development Agency.
 7. Research and development of other non-conventional/renewable sources of energy and programmes relating thereto.”;
- (c) (i) for the heading “MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (VIDHYUT AUR APARAMPARIK OORJA SROTA MANTRALAYA),” the following shall be substituted, namely :—
- “MINISTRY OF POWER (VIDHYUT MANTRALAYA)”;
- (ii) the sub-heading “A. DEPARTMENT OF POWER (VIDHYUT VIBHAG)”, occurring under the heading as so substituted, shall be omitted;
- (iii) the sub-heading “B. DEPARTMENT OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (APARAMPARIK OORJA SROTA VIBHAG)” occurring under the heading as so substituted and the entries thereunder shall be omitted;
- (d) (i) under the heading “MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (GRAMIN VIKAS MANTRALAYA)”, and before entry 1 thereunder, the following sub-heading shall be inserted, namely :—
- “A. DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT (GRAMIN VIKAS VIBHAG)”;
- (ii) after entry 21 under the sub-heading as so inserted, the following sub-heading and entries relating thereto shall be inserted, namely :—
- “B. DEPARTMENT OF WASTELANDS DEVELOPMENT (BANJAR BHoomi VIKAS VIBHAG) :—
1. National Wastelands Development Board.
 2. National Land Use and Wasteland Development Council.
 3. Promotion of rural employment through Wastelands Development.
 4. Promotion of production of fuelwood, fodder and timber on non-forest lands, including private wastelands.
 5. Research and development of appropriate low cost technologies for increasing productivity of wastelands in sustainable ways.
 6. Inter-departmental and inter-disciplinary coordination in programme planning and implementation of the Wastelands Development Programme, including training.
 7. Promotion of people's participation and public cooperation, and coordination of efforts of Panchayats and other voluntary and non-Government agencies for Wastelands Development.”.
- (R. VENKATARAMAN)
PRESIDENT.
[No. 74/2/10/92-Cab.]
SANJIV MISRA, Jt. Secy.

